आईएलएस अस्पताल के बढ़ते कदम

आईएलएस अस्पताल के १५ साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में अस्पताल के प्रमुख डॉ. ओम टांटिया, डॉ. अरुणा टांटिया व अस्पताल के उपाध्यक्ष (विपणन) देवाशीष धर। – विश्वमित्र

कोलकाता, १४ जुलाई (नि.प्र.) चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी बेहतर सेवाएं मुहैया कराने वाले आईएलएस अस्पताल ने १५ साल पूरे किये। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अस्पताल के प्रमुख डॉ. ओम टांटिया ने कहा कि हमने ८ बेड के साथ अस्पताल की शुरूआत की थी जहां अब ४०० बेड हैं। साल्टलेक स्थित इस अस्पताल में लेप्रोस्कॉपी सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। इस अस्पताल में लेप्रोस्कॉपी कराने वाले लोगों को ज्यादा से ज्यादा तीन दिन में ही छुट्टी दे दी जाती है, जहां अन्य अस्पतालों में ७ दिन का समय लगता है। लेप्रोस्कॉपी में वेरिऐटिक सर्जरी, गॉल ब्लाडर, अपेंडिस, यूटेरस इत्यादि की सेवा मुहैया कराई जरती है। इन इलाजों का अधिकतम खर्च १ से २ लाख रुपये तक होता है। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए अस्पताल में नि:शुल्क सेवा दी जाती है। बंगाल के अलावा भारत के विभिन्न राज्यों से यहां लोग लेप्रोस्कॉपी कराने आते हैं। उन्होंने कहा कि लेप्रोस्कॉपी सर्जरी से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, ओबीसीटी इत्यादि जटिल रोगों का सफल इलाज होता है। नागरेबाजार और अगरतल्ला में भी अस्पताल की शाखाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन अस्पताल के उपाध्यक्ष (विपणन) देवाशीष धर ने किया।